स्नातक उपाधि कार्यक्रम – BAG (CBCS)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

बी.एच.डी.सी.-133 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **पहला** प्रश्न **अनिवार्य** है ।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) मेरे लिए खड़ा था दुखियों के द्वार पर तू,
मैं बाट जोहता था तेरी किसी चमन में ।
बनकर किसी के आँसू मेरे लिए बहा तू,
मैं देखता तुझे था माशूक के बदन में ।
दुख से रुला-रुलाकर तूने मुझे चिताया
मैं मस्त हो रहा था तब हाय ! अंजुमन में ।

(ख) प्रशस्त पुण्य पंथ है – बढ़े चलो, बढ़े चलो
असंख्य कीर्ति रश्मियाँ, विकीर्ण दिव्य दाह-सी
सपूत मातृभूमि के रुको न सूर साहसी ।
अराति सैन्य सिन्धु में – सुबाड़वाग्नि से जलो ।
प्रवीर हो जयी बनो – बढ़े चलो, बढ़े चलो ।

(ग) देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोयी नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार ।

(घ) सघन मेघों का भीमाकाश
गरजता है जब तमसाकार,
दीर्घ भरता समीर निःश्वास,
प्रखर झरती तब पावस धार,
न जाने, तपक तड़ित में कौन
मुझे इंगित करता तब मौन ।

(ङ) तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना !
जाग तुझको दूर जाना !
वज्र का उर एक छोटे अश्रु-कण में धो गलाया,
दे किसे जीवन सुधा दो घूँट मदिरा माँग लाया ?
सो गई आँधी मलय की वात का उपधान ले क्या ?
विश्व का अभिशाप क्या चिर नींद बनकर पास आया ?
अमरता-सुत चाहता क्यों मृत्यु को डर में बसाना ?
जाग तुझको दूर जाना !

2. भारतेन्दु काव्य की नवीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । *16*

3. 'द्विवेदी युगीन हिन्दी कविता' विषय पर एक निबंध लिखिए । *16*

4. हरिऔध के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए । *16*

5. मैथिलीशरण गुप्त की कविता में उपस्थित राष्ट्रीय भावना और समाज सुधार के स्वर की विवेचना कीजिए । *16*

6. हिन्दी कविता के इतिहास में छायावाद का क्या महत्त्व है ? स्पष्ट कीजिए । *16*

7. जयशंकर प्रसाद की प्रेम व्यंजना और सौन्दर्य चेतना पर प्रकाश डालिए । *16*

8. महादेवी वर्मा के सृजनात्मक व्यक्तित्व का परिचय देते हुए उनकी मूल्य चेतना को स्पष्ट कीजिए । *16*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) पंडित बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(ख) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-भाषा

(ग) पंत का जीवन-दर्शन

(घ) निराला की काव्य संवेदना